Convocation 2018 - July 14, 2018

Times Of India

PM Modi biggest reformer India has ever had, says Naidu

Prashant.Jha@timesgroup.com

Dehradun: Vice-president Venkaiah Naidu who was in Dehradun on Saturday for the convocation ceremony of a private university heaped plaudits on PM Narendra Modi while addressing the students. Speaking at the convocation of the ICFAI University, Naidu said, "Earlier, PMs like Manmohan Singh, Atal Bihari Vajpayee and Narasimha Rao brought about a number of reforms but these are being implemented by Modiji in an accelerated manner with a lot of zeal." He added that "reforms undertaken by the Modi government such as GST are generating more and more revenue and people are becoming comfortable with these measures after initial pains." Naidu also underlined many of the 'social changes' that the government has brought. "We are seeing lots of social changes that have been brought in recently like Swachh Bharat, Housing for All, Beti Bachao Beti Padhao etc. The world is looking at India now," he said.

Venkaiah Naidu

He also added that unlike what many people are claiming, there is no threat to secularism in the country. "There is no threat to secularism because it is not just the political leadership or government that is protecting secularism, it is the DNA of Indians that guarantees it," he said.

Advising the students to collaborate for the betterment of country, the vice-president said, "Students should have the knowledge on how to acquire new knowledge and how to adopt it in life. There should be a sense of co-ordination, co-operation and competition. Our goal should be to improve excellence and efficiency. Today, the world is moving fast and there is tough competition. It is an era of LPG — meaning Liberalisation, Privatisation and Globalisation." Invoking the words of former president APJ Abdul Kalam, Naidu advised students to "dream high and aim high" and also work hard to achieve their dreams. The ceremony was also attended by CM Rawat, state governor KK Paul and higher education minister Dhan Singh Rawat among others.

The Pioneer

Naidu exhorts youths to dream big

Vice-President stresses on universities making mark on the world

PNS ■ DEHRADUN

The Indian universities having failed to make their place in the list of world's top universities is a big challenge for all, said the Vice-President M Venkaiah Naidu while addressing the convocation ceremony of the ICFAI university at Indian Institute of Petroleum(IIP) here on Saturday. He said that apart from being interesting, the education should be in accordance with new knowledge and technology emerging on the scene. Suggesting the students to take part in the schemes of national importance like Swachchh Bharat, Naidu said that they should think about society and nation.

He added that true patriotism is in feeling of Sarvdharm Sambhav and Sabka Saath-Sabka Vikas.

Congratulating the students, who have got the degrees, Naidu said that because of Information Technology (IT), the world is turning into a global village now. He said that it is a matter of pride that Indian economy has become sixth largest in the world. Terming the youth as the greatest strength and asset of the country, Naidu exhorted them to dream big, set big goals and at the same time, work hard to achieve them.

He invoked Swami Vivekananda and reminded the students of his message of 'Arise Awake and Stop not till the goal is reached'. He said thins rings more relevant in today's circumstances.

Naidu said that at a time when the world is facing problems like global warming, decreasing biodiversity, drinking water and waste management, the universities should play a key role in redressing these problems.

In his address, Governor Krishan Kant Paul said that the university's work is not to just to distribute degrees but also to impart such education that empowers the students to take on global competition and to gives them the benefit of the knowledge economy. Governor said that the State's universities should try to make their places in the top institutions of the country. There should be a promotion of "Make in India" policy in the university campus, he opined.

Chief Minister Trivendra Singh Rawat said that after the convocation, there is now an opportunity for graduates to move towards their destination in life.

He said that knowledge is valuable only when it becomes the means of development and welfare of mankind. Praising the scientists of IIP for preparing bio-fuel from Pine Needles (Pirul), CM said that Pirul which was once a reason for devastation has now been converted into energy.

The Vice-President and other dignitaries conferred degree of MBA, B Tech, BBA, LLB and B Ed to 249 students on the occasion. Eight students were awarded gold medals for their meritorious performance.

The Minister of State for higher education Dhan Singh Rawat, chancellor of ICFAI University M Ramachandran, Chief Secretary Utpal Kumar Singh and Director General of police Anil Kumar Rathuri were among others present on the occasion.

VEEP ACCORDED WARM WELCOME

The Vice-President M Venkaiah Naidu was accorded awarm welcome on his arrival in Dehradun airport on Saturday. The Governor Krishan Kant Paul, Chief Minister Trivendra Singh Rawat, speaker of State Assembly Premchand Aggarwal, Chief Secretary Utpal Kumar Singh and DGP Anil Kumar Rathuri were present at the airport to welcome him.

Amar Ujala

इक्फाई विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में 220 छात्रों को मिली डिग्री

डिग्री और मेडल पाकर उछल पड़े स्टूडेंट्स

देहरादून। इक्फाई विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में...

Amar Ujala

मोहकमपुर स्थित आईआईपी के सभागार में शनिवार को आयोजित इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेडल और डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं। अमर उजाला

डिग्री और मेडल पाकर खिल उठे चेहरे

इक्फाई विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में 220 छात्रों को मिली डिग्री

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। हाथ में डिग्री और मेडल पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। मौका था इक्फाई विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह का। इस अवसर पर 220 छात्रों को डिग्री दी गई। दो को पीएचडी अवार्ड हुई। इसके अलावा कुल 24 छात्र-छात्राओं को गोल्ड, सिल्वर और ब्रांज मेडल से नवाजा गया।

शनिवार को भारतीय पेट्रोलियम संस्थान के सभागार में इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का शुभारंभ उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, राज्यपाल डॉ. केके पाल, मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. धन सिंह रावत और विवि के चांसलर एम रामचंद्रन ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने आठ छात्रों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आगे बढ़ने का आह्वान किया। राज्यपाल डॉ. केके पाल ने कहा कि शिक्षकों और छात्रों को किताबी ज्ञान और सवालों की अवधारणाओं से आगे लाकर उनको जिज्ञासु बनने के लिए प्रोत्साहित करना होगा ताकि उनकी सोच और रचनात्मकता विकसित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को नवाचार एवं कौशल विकास के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने युवाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यहां उन्हें केवल डिग्री ही नहीं मिली बल्कि देश के प्रति लगन एवं सच्चाई से काम करने की जिम्मेदारी भी मिली है।

उन्होंने कहा कि छात्रों की काबिलियत और शोध समाज के लिए होना चाहिए। समारोह में 220 छात्रों को डिग्री दी गई। इसमें एमबीए के 71, बीए एलएलबी के 78, एलएलबी के 12, एलएलएम के एक, बीटेक के 47, एमटेक के पांच और बीएड के छह छात्र शामिल हैं। दो छात्रों को पीएचडी अवार्ड की गई। आठ छात्रों को गोल्ड, आठ को सिल्वर और आठ को ब्रांज मेडल से सम्मानित किया गया। इस मौके पर विवि के कुलपति डॉ. पवन कुमार अग्रवाल सहित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य भी मौजूद रहे। सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत और राज्यपाल डॉ. केके पाल ने जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति का स्वागत किया।

इक्फाई विवि के दीक्षांत समारोह में छात्रा को मेडल और डिग्री प्रदान करते उपराष्ट्रपति एम वैंकेया नायडू। साथ में राज्यपाल डॉ. कृष्णकांत पाल, मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. धन सिंह रावत और चांसलर एम रामचंद्रन। अमर उजाला

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

पारुल चौहान (एमबीए), रचित श्रॉफ (बीटेक कंप्यूटर साइंस), एम जेशन (बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स), विवेक जायसवाल (बीटेक मैकेनिकल), आरण बत्रा (बीटेक सिविल), अंकिता गांधी (बीबीए एलएलबी ऑनर्स), आयुषी गुप्ता (एलएलबी), मनिष्का लामा (बीएड)।

सिल्वर मेडल

मोनिक शर्मा (एमबीए), अनिकेत सिंह (बीटेक कंप्यूटर साइंस), जूही श्री (बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स), अलका कृष्ण वामसी (बीटेक मैकेनिकल), अभिषेक श्रीवास्तव (बीटेक सिविल), गौरी (बीबीए एलएलबी ऑनर्स), दविंदर (एलएलबी), शुभम कपूर (बीएड)।

ब्रांज मेडल

महाश्वेता नायक (एमबीए), आशीष कुमार (बीटेक कंप्यूटर साइंस), सहजदीप सिंह (बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स), प्रशांत त्रिपाठी (बीटेक मैकेनिकल), विकास सिंह चौहान (बीटेक सिविल), विनोद शर्मा (बीबीए एलएलबी ऑनर्स), चित्रा शशिधरन (एलएलबी), सेसिलि एंथनी (बीएड)।

Amar Ujala

रिफॉर्म, परफॉर्म व ट्रांसफॉर्म पर काम करें युवा : वेंकैया

इक्फाई विवि के दीक्षांत समारोह में बोले उपराष्ट्रपति

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। जिस तरह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बदलाव की बयार चला रहे हैं, उसी तरह देश के युवाओं को भी रिफॉर्म (सुधार), परफॉर्म (प्रदर्शन) और ट्रांसफॉर्म (परिवर्तन) के तहत विकास में भागीदार होने की जरूरत है।

यह बात इक्फाई विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कही। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर पूर्व के प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह ने देश में बदलाव की बयार चलाई, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी इस बदलाव को आगे बढ़कर चला रहे हैं।

उन्होंने जीएसटी को देश के विकास का अहम पहलू बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नेचर और कल्चर को बचाकर रखेंगे तो हमारे विकास की दर बढ़ती जाएगी। ग्लोबल वार्मिंग, माइग्रेशन, पेयजल जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए हमें शोध को बढ़ावा देना होगा। हम अब टीसुनामी के नुकसान से बचने को अर्ली वार्निंग सिस्टम डेवलप कर चुके हैं तो शोध से ही दूसरी समस्याओं को भी दूर किया जा सकेगा। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार के लिए नहीं बल्कि सशक्त भारत के लिए जरूरी है। उन्होंने महिलाओं और नदियों की तुलना करते हुए कहा कि देश की सभी नदियों के नाम महिलाओं के नाम पर हैं। जिस तरह हमें महिलाओं का सम्मान करना चाहिए, उसी तरह हमें नदियों को भी संरक्षित करना चाहिए।

सबका साथ और सबका विकास ही सच्ची राष्ट्रीयता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जितनी भी योजनाएं चला रही है, उनमें पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। यह तभी होगा, जब सब अपनी जिम्मेदारी कर निर्वहन करेंगे। पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है, प्रतियोगिता बढ़ रही है तो ऐसे में युवाओं को इस दौर में खुद को साबित करने की चुनौती है। इस मौके पर उन्होंने दीक्षांत समारोह में आठ छात्रों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। >> डिग्री और मेडल पाकर खिल उठे चेहरे : पेज 6

Rashtriya Sahara

नए भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं छात्र : नायडू

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

पाठ्यक्रम	नाम
एमबीए	महाश्वेता नाइक
बीटेक सीएस	आशीष कुमार
बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स	[illegible]
बीटेक मैकेनिकल	प्रशांत त्रिपाठी
बीटेक सिविल	विकास सिंह चौहान
बीबीए एलएलबी	विनोद शर्मा
एलएलबी	[illegible]
बीएड	[illegible]

उपराष्ट्रपति ने किया राष्ट्रीय महत्व की योजनाओं में हिस्सेदारी का आह्वान

इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में 220 छात्रों को मिली उपाधि

छात्र-छात्राओं की खुशी का नहीं था ठिकाना

Punjab Kesari (Delhi Edition)

नव भारत निर्माण में सहयोग करें छात्र

नए परिवर्तनों के अनुसार खुद को ढालें

देहरादून,सुनील तलवाड़ (पंजाब केसरी): उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने आईआईपी में आयोजित इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि सर्वधर्म समभाव व सबका साथ-सबका विकास की भावना ही सच्ची देशभक्ति है। अपनी माता, जन्म भूमि, मातृभाषा व गुरू का सदैव सम्मान करें। छात्र नव-भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि दुनिया में देश का मान बढ़ा है। हमें इन अवसरों का उपयोग देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में करना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा को रोचक के साथ ही नए ज्ञान व तकनीक के अनुरूप बनाना होगा। हमारे विश्वविद्यालय विश्व के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूची में अपना स्थान नहीं बना सके हैं। इसे हमें एक बड़ी चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। छात्रों को कुछ समय गांवों में बिताना चाहिए। उन्हें स्वच्छ भारत आदि राष्ट्रीय महत्व की योजनाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने उपाधि धारक छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आज दुनिया, सूचना तकनीकि के कारण ग्लोबल विजेल में सिमट रही है। छात्रों को यह ज्ञान होना चाहिए कि नवीन ज्ञान तक कैसे पहुंचा जाए, कैसे उसे जीवन में ग्रहण किया जाए।

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि यह अवसर स्नातकों को अपनी दीक्षा व शिक्षा को पूर्णकर दीक्षांत के बाद जीवन के गंतव्य की ओर बढ़ने का है। ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, यह केवल एक पड़ाव है, जहां आप अपनी शिक्षा पूरी करके जा रहे हैं। इसलिए आपके सामने समाज के लिए कुछ करने और योगदान देने की बड़ी अहम जिम्मेदारियां हैं। किसी भी प्रकार का ज्ञान तभी मूल्यवान है, जब वह इस पृथ्वी पर मनुष्यमात्र के कल्याण व विकास का साधन बनता है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में ज्ञान को महत्वपूर्ण बताता गया है। आज का युग तकनीक का युग है, इसलिए नित नए परिवर्तनों के अनुसार खुद को ढालने के लिए आप तैयार रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईपी के वैज्ञानिकों ने पाइन नीडल्स से बायोफ्यूल तैयार करने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है जो पिरूल कभी बरबादी का कारण था उसे ऊर्जा में बदला है।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह रावत, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.एम. रामचन्द्रन, मुख्य सचिव उत्पल कुमार सिंह, डीजीपी अनिल कुमार रतूड़ी, आयुक्त गढ़वाल शैलेश बगोली सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं को उपाधियां वितरित करते हुए उपराष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडू, राज्यपाल डा. के के पाल एवं मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत।(छाया पंजाब केसरी)

उपराष्ट्रपति का आह्वान

- छात्रों को कुछ समय गांवों में बिताना चाहिए
- सर्वधर्म समभाव व सबका साथ-सबका विकास की भावना ही सच्ची देशभक्ति

Punjab Kesari (Dehradun Edition-Uttarakhand Kesari)

विकास समावेशी होना चाहिए : वैंकेया नायडू

■ दून के आई.आई.पी. में इक्फाई वि.वि. के दीक्षांत समारोह में बोले उपराष्ट्रपति, हर व्यक्ति खुद को महसूस करे बढ़ते भारत का हिस्सा

देहरादून, 14 जुलाई (स.ह.): उपराष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडू ने कहा कि विकास समावेशी होना चाहिए। विकास का लाभ गरीब से गरीब लोगों तक पहुंचना चाहिए। हर व्यक्ति को यह महसूस हो कि वह आगे बढ़ते भारत का हिस्सा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों की योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता व जवाबदेही के साथ हो।

आई.आई.पी. में इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रा को मैडल प्रदान करते हुए उपराष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडू, साथ में हैं राज्यपाल के.के. पाल व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत।

राजधानी दून के भारतीय पैट्रोलियम इंस्टीच्यूट में इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत दुनिया की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह हमारे लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुधारों को ठोस तरीके से लागू कर रहे हैं। कई तरह की चुनौतियां आती हैं और इन पर विजय भी प्राप्त की जाती है। जैसे कि जी.एस.टी. लागू करते समय कई तरह की आशंकाएं व्यक्त की गईं परंतु अब यह हमारी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि हमें रिफॉर्म, परफॉर्म व ट्रांसफॉर्म को अपनाना होगा, यानी सुधार, क्रियान्वयन व देश का रूपांतरण।

एक जमाने में भारत विश्व गुरु के तौर पर माना जाता था। अब एक बार फिर दुनिया में देश का मान (शेष पृष्ठ 2 कालम 3 पर)

युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति

उपराष्ट्रपति नायडू ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी ताकत युवा शक्ति है। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने व बड़े लक्ष्य रखने के साथ ही कठिन परिश्रम करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान व तकनीक, समाज व मानवता की बेहतरी के लिए होते हैं। हमें प्रकृति का ध्यान रखना चाहिए।

Hindustan

इफकाई विवि के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे उपराष्ट्रपति ने उत्तराखंड में उच्च शिक्षा की ढांचागत सुविधाओं के विकास पर दिया जोर

युवा अपनी क्षमता के अनुसार चुनें कॅरियर : वेंकैया नायडू

दीक्षांत समारोह

देहरादून | कार्यालय संवाददाता

इन्हें किया गया सम्मानित

सांसद मातृभाषा में रखेंगे अपनी बात

Hindustan Smart

इफकाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में पहुंचे उपराष्ट्रपति, 220 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई

युवा क्षमता के अनुसार चुनें अपना करियर: वैकेया नायडू

समारोह

गोल्ड मैडेलिस्ट

सिल्वर मैडेलिस्ट

ब्रांज मैडेलिस्ट

सांसद मातृभाषा में रखेंगे अपनी बात

Hindustan

दीक्षांत समारोह

उपराष्ट्रपति से डिग्री मिलना बड़ी बात है। उन्होंने मातृभाषा, मातृभूमि, संस्कृति को लेकर कई सारी प्रेरणात्मक बातें कीं। उनका कहना सही है युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति-सभ्यता नहीं भूलनी चाहिए। **-मीनाक्षी लामा, बीएड**

उपराष्ट्रपति की स्पीच काफी अच्छी थी। उत्तराखंड की शिक्षा के स्तर को लेकर उन्होंने सही कहा है, यहां पर ढांचागत सुविधाएं विकसित होनी चाहिए। **-अंकिता गांधी, एलएलबी ऑनर्स**

उपराष्ट्रपति ने सेकुलरिज्म, रोजगारपरक शिक्षा व देश के आर्थिक स्तर पर कई बातें बताई। उनकी बातों ने आगे के लिए प्रेरणा दी है। मैं डिफेंस सेक्टर में शोध के क्षेत्र में आगे काम करना चाहता हूं। **-जीशान, बीटेक**

Dainik Jagran

नए भारत के निर्माण को आगे आएं युवा

आइआइपी के सभागार में इक्फाई यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को बोले उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू

जागरण संवाददाता, देहरादून: उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने युवाओं से नए भारत के निर्माण में भागीदारी का आह्वान किया। साथ ही शिक्षा को रोचक और नए ज्ञान व तकनीक के अनुरूप बनाने पर जोर दिया। कहा कि, दुनिया में देश का मान बढ़ा है। हमें इन अवसरों का उपयोग देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति शनिवार को यहां भारतीय पेट्रोलियम संस्थान के सभागार में इक्फाई यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के समग्र विकास में युवाओं की बड़ी भूमिका है, इसलिए युवाओं के सामने सफल होने की चुनौती भी दिनों दिन बढ़ रही है। वर्तमान में छात्रों के सामने अवसर बहुत हैं, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं। विश्वविद्यालयों को इन्हें ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तय करने चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय विश्व के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की सूची में अपना स्थान नहीं बना सके हैं। इस दिशा में गंभीरता से सोचने की जरूरत है। हमारा लक्ष्य उत्कृष्टता व कार्यक्षमता में सुधार होना चाहिए। आज दुनिया बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है और कड़ी प्रतिस्पर्धा है। भारत दुनिया की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुधारों को ठोस तरीके से लागू कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर आर्थिक व सामाजिक सुधार की योजनाएं प्रारम्भ की गई हैं। इनमें स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नदियों का पुनर्जीवन, स्मार्ट सिटी, स्किल इंडिया, सभी के लिए आवास, डिजीटल इंडिया, मेक इन इंडिया आदि हैं। राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल ने कहा कि शिक्षण संस्थाओं और विश्वविद्यालयों की विभिन्न सम-सामयिक चुनौतियों में सकारात्मक भूमिका निभानी होगी।

यूनिवर्सिटी का काम सिर्फ डिग्री देना नहीं, बल्कि ऐसी शिक्षा देना है जो युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बना सके। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती, यह केवल एक पड़ाव है, यहां उपाधि लेने वाले युवा समाज के लिए कुछ करने का संकल्प लेकर जाएं। उन्हें वैश्विक स्तर पर हो रहे बदलावों के अनुरूप खुद को ढालने के लिए भी तैयार रहना होगा। इससे पहले उपराष्ट्रपति ने छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की। समारोह में पीएचडी, एलएलबी, एमबीए, एलएलएम, बीटेक और बीबीए-एलएलबी (ऑनर्स) के 249 छात्र-छात्राओं को उपाधियां दी गईं।

शनिवार को आइआइपी के डॉ. तवराज कुमार ऑडिटोरियम में आयोजित इक्फाई विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू चांसलर गोल्ड मेडल की उपाधि छात्रा को प्रदान करते हुए। साथ में मौजूद राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पाल, मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, उच्चशिक्षा राज्यमंत्री डॉ. धन सिंह रावत, इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एम रामचन्द्रन • जागरण

मेडल विजेता

चांसलर गोल्ड मेडल

- पारुल चौहान, एमबीए
- रचित श्रॉफ, बीटेक कंप्यूटर साइंस
- एम. जीशान, बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स
- विवेक जायसवाल, बीटेक मैकेनिकल
- अर्ग बत्रा, बीटेक सिविल
- अंकिता गांधी, बीबीए-एलएलबी
- आयुषी गुप्ता, एलएलबी
- मनीक्षा लामा, बीएड

Dainik Jagran I-Next

उपराष्ट्रपति से मिली दीक्षा

PICS: DAINIK JAGRAN I NEXT

» इक्फाई यूनिवर्सिटी के कॉन्वोकेशन प्रोग्राम में पहुंचे उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू

DEHRADUN(14 July): सर्वधर्म समभाव व सबका साथ-सबका विकास की भावना ही सच्ची देशभक्ति है. जीवन में अपनी माता, जन्म भूमि, मातृभाषा व गुरु का हमेशा सम्मान करें. इक्फाई यूनिवर्सिटी के कॉन्वोकेशन में स्टूडेंट्स को उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने ये गुरुमंत्र दिया.

उपराष्ट्रपति,राज्यपाल और गवर्नर ने दी उपाधियां.

220 ग्रेजुएट्स को उपाधि

इक्फाई यूनिवर्सिटी के 2018 के कॉन्वोकेशन में एमबीए, बीटेक, बीबीए, एलएलबी, बीएड ग्रेजुएट्स को 8 गोल्ड मेडल, 8 सिल्वर मेडल 8 ब्रॉन्ज मेडल दिए गए. 2 स्टूडेंट्स को यूनिवर्सिटी ने पीएचडी की उपाधि दी. इसके साथ ही विभिन्न पाठ्यक्रमों के 220 ग्रेजुएट्स को उपाधि प्रदान की गई. उपराष्ट्रपति ने गोल्ड मेडलिस्ट को मेडल और डिग्री प्रदान की.

विभिन्न पाठ्यक्रमों के 220 ग्रेजुएट्स को उपाधि प्रदान की गई. उपराष्ट्रपति ने गोल्ड मेडलिस्ट को मेडल और डिग्री प्रदान की.

शिक्षा को बनाना होगा छात्रों के अनुरूप

इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा को रोचक बनाने के साथ ही ज्ञान व तकनीक के अनुरूप बनाना होगा. हमारे विश्वविद्यालय विश्व में श्रेष्ठता सूची में अपना स्थान नहीं बना सके हैं. इसे हमें एक बड़ी चुनौति के तौर पर लेना चाहिए. स्टूडेंट्स को कुछ समय गांवों में बिताना चाहिए. उन्हें स्वच्छ भारत आदि राष्ट्रीय महत्व की योजनाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए. देश के सभी नागरिक हमारे भाई-बहन हैं. उन्होंने कहा कि हमें रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म की पॉलिसी पर काम करना होगा.

220 ग्रेजुएट्स शामिल हुए कॉन्वोकेशन में.

समय है गंतव्य की ओर जाने का

कॉन्वोकेशन प्रोग्राम के दौरान राज्यपाल डॉ. कृष्ण कांत पॉल ने कहा कि विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण, क्लास रूम में होता है और वहीं से राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया शुरू होती है. सीएम त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि आईआईपी के वैज्ञानिकों ने पाइन नीडल्स से बायोफ्यूल तैयार करने की दिशा में सराहनीय कार्य किया है. कहा कि जो पिरूल कभी जंगलों में आग का कारण बनता था उसे अब ऊर्जा में बदलना संभव हुआ है. कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, इक्फाई यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति डॉ. एम रामचन्द्रन, सीएमएस उत्पल कुमार सिंह, डीजीपी अनिल कुमार रतूड़ी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे.

Amar Ujala Select

चुनौतियों को पार कर देशहित में आगे बढ़े युवा शक्तिः नायडू

देहरादून। जिस तरह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बदलाव की बयार चला रहे हैं, उसी तरह देश के युवाओं को भी रिफॉर्म (सुधार), परफॉर्म (प्रदर्शन) और ट्रांसफॉर्म(परिवर्तन) के तहत विकास में भागीदार होने की जरूरत है। यह बात इक्फाई विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने कही। उन्होंने युवाओं को चुनौतियों को पार कर देशहित में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर पूर्व के प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी, नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह ने देश में बदलाव की बयार चलाई, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी इस बदलाव को आगे बढ़कर चला रहे हैं। उन्होंने जीएसटी को देश के विकास का अहम पहलू बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नेचर और कल्चर को बचाकर रखेंगे तो हमारे विकास की दर बढ़ती जाएगी।

ग्लोबल वार्मिंग, माइग्रेशन, पेयजल जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए हमें शोध को बढ़ावा देना होगा। हम अब टीसुनामी के नुकसान से बचने को अर्ली वार्निंग सिस्टम डेवलप कर चुके हैं तो शोध से ही दूसरी समस्याओं को भी दूर किया जा सकेगा। उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि शिक्षा केवल

रोजगार के लिए नहीं बल्कि सशक्त भारत के लिए जरूरी है। उन्होंने महिलाओं और नदियों की तुलना करते हुए कहा कि देश की सभी नदियों के नाम महिलाओं के नाम पर हैं। जिस तरह हमें महिलाओं का सम्मान करना चाहिए, उसी तरह हमें नदियों को भी संरक्षित करना चाहिए।

सबका साथ और सबका विकास ही सच्ची राष्ट्रीयता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जितनी भी योजनाएं चला रही है, उनमें पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। यह तभी होगा, जब सब अपनी जिम्मेदारी कर निर्वहन करेंगे। पूरी दुनिया तेजी से बदल रही है, प्रतियोगिता बढ़ रही है तो ऐसे हालात में युवाओं को इस दौर में खुद को साबित करने की चुनौती है। इन चुनौतियों को पार करके ही युवा देशहित में काम कर सकते हैं। इस मौके पर उन्होंने दीक्षांत समारोह में आठ छात्रों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया।

>> संबंधित खबर पेज 02 पर